कलेक्टर का औचक निरीक्षण, शिक्षा गुणवत्ता पर दिए सख्त निर्देश

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 9 जनवरी। कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने शासकीय हाईस्कूल बिजपुरी का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में बच्चों एवं स्टाफ की उपस्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत भिंड, सीईओ जनपद पंचायत भिंड सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा में जाकर छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया और उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता, विषयों की समझ, आगामी परीक्षाओं की तैयारी एवं अपेक्षित अंक प्रतिशत के संबंध में सवाल किए। छात्रों के उत्तरों से संतुष्ट न होने पर कलेक्टर ने प्राचार्य को कड़ी फटकार लगाते हुए शिक्षा स्तर में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों की पढ़ाई से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि छात्रों का नियमित मूल्यांकन किया जाए, समय-समय पर टेस्ट आयोजित हों और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि उनका शैक्षणिक स्तर सुधर सके।

गौशाला का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा : कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने आज ग्राम पंचायत बिजपुरी स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंश के संरक्षण, चारे-पानी की उपलब्धता तथा आधारभूत सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने गौशाला की कुल भूमि, पशुओं की निर्धारित क्षमता, वर्तमान में उपलब्ध गौवंश की संख्या एवं चारे की स्थिति के संबंध में सवाल किए। उन्होंने गौशाला संचालक से चारे की व्यवस्था के स्त्रोत, प्रतिदिन एकत्र होने वाले गोबर की मात्रा तथा उसके उपयोग के बारे में भी जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गोबर का समुचित उपयोग कर गौशाला की आय के संसाधन विकसित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गौशाला की बाउंड्री के किनारे नीम एवं अन्य छायादार वृक्ष लगाने के निर्देश दिए, ताकि गर्मी के मौसम में गौवंश को पर्याप्त छाया मिल सके और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले।

भौतिक व्यवस्थाओं पर भी जताई नाराजगी

विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने कक्षा कक्षों, शौचालयों एवं मध्यान्ह भोजन रसोई का भी जायजा लिया। इस दौरान गंदगी, टूटे-फूटे फर्नीचर और रखरखाव में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विशेष रूप से परिसर में बनी अनुपयोगी दीवारों को हटाने, समुचित साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, छात्रों के लिए पर्याप्त बेंच-डेस्क उपलब्ध कराने, शिक्षा स्तर की वास्तविक स्थिति जानने के लिए टेस्ट आयोजित करने, के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत भिंड को दिए। कलेक्टर ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना शासन की प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के माध्यम से उन्होंने यह संदेश दिया कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अतिरिक्त शेड निर्माण के निर्देश

कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत भिंड को निर्देशित किया कि गौवंश की संख्या को देखते हुए एक अतिरिक्त शेड निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर भेजा जाए, जिससे भविष्य में पशुओं को बेहतर आश्रय मिल सके।

गौशाला के समीप स्थित तालाब का भी कलेक्टर ने निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब के जलस्तर की जानकारी ली और साफ-सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि तालाब की स्वच्छता से जल संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय पर्यावरण में भी सुधार होगा। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत भिंड, सीईओ जनपद पंचायत भिंड सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गौशाला और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा गौवंश संरक्षण शासन की प्राथमिकता के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए।

विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर आयोजित

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 9 जनवरी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा केएस बारिया, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिंड के आदेशानुसार ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आर.से.टी.), जिला भिण्ड में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में अनुभूति गुप्ता, सचिव/न्यायाधीश एवं देवेश शर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड उपस्थित रहे। शिविर में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ को नालसा डॉन योजना-2025 के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि यह योजना समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को न्याय तक सरल एवं सुलभ पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं शिक्षाओं पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षा का मूल उद्देश्य युवाओं में नैतिक मूल्यों, चरित्र निर्माण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना था। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया तथा स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। इस अवसर पर युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य निर्माण पर विशेष जोर दिया गया।

गांवों में पेयजल की जांच, चलेगा अभियान

भोपाल, 9 जनवरी. पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विभागीय राज्यमंत्री राधा सिंह एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की गहन समीक्षा की.

बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि सम्पूर्ण प्रदेश में पेयजल की गुणवत्ता जांच का अभियान चलायें. यह अभियान 15 फ़रवरी तक पूर्ण होना चाहिए. बैठक में मंत्री पटेल ने स्पष्ट किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह है कि सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध रूप से पहुंचे. योजनाओं का प्रभाव धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे.

लहार एसडीएम ने ली पटवारियों की समीक्षा बैठक

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 9 जनवरी। लहार एसडीएम विजय सिंह यादव द्वारा राजस्व कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्ध सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नामांतरण, बंटवारे, सीमांकन, इंद्राज दुरुस्ती, फार्मर रजिस्ट्री सहित अन्य महत्वपूर्ण राजस्व बिंदुओं पर गहन समीक्षा की गई। एसडीएम ने नामांतरण एवं बंटवारे से संबंधित लंबित रिपोर्टों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही इंद्राज दुरुस्ती से संबंधित फाइलों में आवश्यक रिपोर्ट संलग्न कर प्रकरणों का विधिसम्मत एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में लंबे समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा की गई, जिसमें पटवारीवार स्थिति का परीक्षण किया गया। समीक्षा में 17 पटवारी ऐसे पाए गए जिनके खाते में सर्वाधिक लंबित शिकायतें दर्ज थीं। एसडीएम ने कड़े शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत को स्वयं पढ़ें, शिकायतकर्ता से सीधे संपर्क करें, शिकायत का नीतिगत एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम द्वारा 0 से 3 माह की अवधि में लंबित कुल 13 सीमांकन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि विवादित सीमांकनों को पुलिस बल की उपस्थिति में निष्पक्ष व गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए। अन्य सीमांकनों को आगामी 7 दिवस के भीतर जरीब अथवा रोवर मशीन (जो भी उपयुक्त हो) से पूर्ण किया जाए।

मिलावटी दूध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 600 लीटर दूध सहित मिलावट सामग्री जब्त

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 9 जनवरी। कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा के सख्त निर्देशन में जिले में मिलावटखोरी के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने ग्राम गहेली, तहसील मेहगांव में बड़ी छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रीना बंसल, रेखा सोनी एवं किरण सेंगर द्वारा ग्राम गहेली स्थित मुकेश राठौर की डेयरी पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर मिलावटी दूध तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले अपद्रव्य बड़ी मात्रा में पाए गए, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

आर.एम. केमिकल-34 किलोग्राम, लिक्विड ग्लूकोज-12 किलोग्राम, रिफाइंड सोयाबीन ऑयल-24 किलोग्राम, तैयार दूध-600 लीटर, खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा दूध, आर.एम. केमिकल, लिक्विड ग्लूकोज एवं रिफाइंड सोयाबीन ऑयल के विधिवत नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच हेतु भेजे गए हैं, ताकि मिलावट की पुष्टि वैज्ञानिक आधार पर की जा सके।

खाद्य लाइसेंस नहीं पाया गया

कार्रवाई के दौरान डेयरी संचालक द्वारा खाद्य लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया जा सका। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत बिना लाइसेंस डेयरी संचालन एवं मिलावटी दूध निर्माण हेतु अपद्रव्य पाए जाने पर डेयरी परिसर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत संबंधित धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज कर आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि संदिग्ध दूध या खाद्य पदार्थों की सूचना तुरंत प्रशासन या खाद्य सुरक्षा विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर आम नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा की जा सके।

नि :स्वार्थ सेवा की मिसाल बने कुलदीप तोमर

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 9 जनवरी। आज के समय में जब अधिकांश लोग अपने निजी स्वार्थों में उलझे हुए हैं, ऐसे दौर में कुलदीप तोमर जैसे व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर सामने आ रहे हैं। गाय माता एवं पक्षियों की नि:स्वार्थ सेवा को ही जीवन का उद्देश्य मानने वाले कुलदीप तोमर पिछले 12 वर्षों से लगातार सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि सेवा कोई दिखावे का विषय नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और सच्चे संतोष का माध्यम है। कुलदीप तोमर ने बताया कि जैसे ही कहीं से भी घायल गाय माता या पक्षियों की सूचना मिलती है, वह बिना समय गंवाए अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच जाते हैं। बीते वर्षों में उन्होंने अंधे कुओं, नालों और खतरनाक स्थानों में फंसी अनेक गायों को सुरक्षित बाहर निकालकर नया जीवन दिया है। यह कार्य न केवल उनके साहस को दर्शाता है, बल्कि उनके भीतर की करुणा, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को भी उजागर करता है। जब घायल गायों के उपचार और संरक्षण के लिए उचित स्थान की कमी महसूस हुई, तब कुलदीप तोमर ने आईटीआई कॉलेज के पास अपनी निजी भूमि पर, बिना किसी शासकीय सहायता के, भव्य गोशाला का निर्माण प्रारंभ कराया। इस गोशाला में घायल गायों के लिए ओपीडी सुविधा, समुचित चिकित्सा एवं उपचार व्यवस्था, भव्य टीन शेड की सुविधा,पहले ही चरण में तैयार कर दी गई है। वर्तमान में इस गोशाला में दो दर्जन से अधिक घायल गायों का नियमित उपचार किया जा रहा है। गायों की सुरक्षा और देखभाल को प्राथमिकता देते हुए गोशाला में भीषण सर्दी से बचाव हेतु कुंटलों लकड़ी अलाव के लिए संग्रहित की गई है। वहीं, गायों के भोजन के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसे की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी पशु को असुविधा न हो। कुलदीप तोमर का कहना है कि उनका सपना है कि आने वाले वर्षों में वह लगभग 10 हजार गायों के संरक्षण के लिए एक विशाल और आधुनिक गोशाला का निर्माण कर सकें। इसके लिए वह निरंतर प्रयासरत हैं ।

हिन्दू सम्मेलन का भूमि पूजन एवं ध्वज स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न

नवभारत न्यूज
मेहगांव, 9 जनवरी। विराट हिन्दू सम्मेलन 18/01/2026 को रामलीला मैदान मेहगांव पर सकल हिन्दू समाज द्वारा होने जा रहा है आयोजन की शुरुआत सकल हिन्दू समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधत्व में कार्यक्रम स्थल पर भूमि पूजन एवं ध्वज स्थापना कार्यक्रम अंचल के वरिष्ठ संतो के सानिध्य में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुवात वैदिक पूजा पद्धति, मंत्रोच्चारण से पंडित लक्ष्मीनारायण द्वारा कराई गई कार्यक्रम में ददरौआ महंत श्री श्री 1008 रामदास महाराज जी एवं हरिओमदास महाराज जी भूमिया सरकार ,कालीदास महाराज , खूंटी सरकार , बंखंडेश्वर सरकार , नाथूबाबा सरकार आदि संतगण का आशीष प्राप्त हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन के आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि इस विराट हिन्दू सम्मेलन में लगभग 10 हजार लोग सहभागिता करने वाले हैं 18 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक , सांस्कृतिक कार्यकम संपन्न होंगे।

15 को हिन्दू सम्मेलन, संतों के सानिध्य में होगा आयोजित

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 9 जनवरी। गोरमी के शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय मैदान में सकल हिन्दू समाज द्वारा आयोजित किए जा रहे विराट हिन्दू सम्मेलन को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। इसी क्रम में 15 जनवरी 2026 को प्रस्तावित सम्मेलन का भूमि पूजन अंचल के संतों के पावन सानिध्य में विधिवत रूप से संपन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन, आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मंत्रोच्चार और विधिविधान के साथ भूमि पूजन कर सम्मेलन की सफलता की कामना की गई। विराट हिन्दू सम्मेलन की आयोजन समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि 15 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में लगभग 10 हजार से अधिक लोगों के सहभागिता करने की संभावना है। सम्मेलन को लेकर पूरे अंचल में उत्साह का माहौल है और विभिन्न गांवों व नगरों से लोगों के पहुंचने की तैयारी की जा रही है। आयोजन समिति के अनुसार सम्मेलन के दौरान विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें प्रवचन, भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और समाज को एकता के सूत्र में बांधने वाले कार्यक्रम शामिल रहेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित करना, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना बताया गया है।

भूमि पूजन के अवसर पर संतों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं और युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। आयोजन समिति ने बताया कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग लिया जा रहा है और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन को लेकर गोरमी सहित आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तैयारियां जारी हैं और विराट हिन्दू सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया गया है।

ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत बैठक का आयोजन

नवभारत न्यूज
गोहद, 9 जनवरी। एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा संचालित रूरल एजुकेशन प्रोग्राम, भिण्ड के अंतर्गत चयनित दस शासकीय विद्यालयों के संस्था प्रधान एवं बाल संसद स्वच्छ विद्यालय प्रभारी शिक्षकों के साथ बैठक का आयोजन खण्ड शिक्षा अधिकारी श्याम किशोर भारद्वाज एवं एसआरएफ फाउंडेशन के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी अकरम सिद्दीकी के नेतृत्व में एसआरएफ लिमिटेड, मालनपुर में किया गया। इसी क्रम में अकरम सिद्दीकी के द्वारा छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत निपुण भारत मिशन के अनुसार छात्रों के शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार हेतु निरंतर प्रयास करने के लिए संस्था प्रधान एवं शिक्षकों को प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यालय में छात्रों के साथ मॉर्निंग असेंबली के दौरान न्यूज़ पेपर रीडिंग, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास आधारित गतिविधियों को नियमित संचालित करने की बात भी कही गई। मीटिंग के दौरान अकरम सिद्दीकी के द्वारा सभी विद्यालय में छात्रों हित में शिक्षण से संबंधित मूल आवश्यकताओं जैसे टीएलएम सामग्री एवं मॉर्निंग असेंबली हेतु म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट जैसे अन्य संसाधन उपलब्ध कराने की बात करते हुए सहयोग करने की बात कही। बैठक के दौरान प्रतियोगिता के आयोजन के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। साथ ही अक्टूबर, नवंबर एवं दिसंबर माह में साइंस लैब, लाइब्रेरी एवं डिजिटल कक्ष से लाभान्वित छात्रों का डेटा आपस में एक दूसरे के साथ साझा करते हुए, बाल संसद छात्र टीम एवं प्रभारी शिक्षक के सहयोग से मासिक स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय को एसआरएफ फाउंडेशन की ओर से यूनिट हेड राजेश खन्ना एवं राकेश तिवारी के माध्यम से शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी श्याम किशोर भारद्वाज के द्वारा बैठक के दौरान सभी शिक्षकों को संबोधित करते हुए एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा विद्यालय में उपलब्ध कराए गए सभी संसाधनों का पूर्ण ईमानदारी एवं आपसी सहयोग से प्रभावी उपयोग करते हुए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रेरित किया गया। बैठक के दौरान श्याम किशोर भारद्वाज, संकुल प्राचार्य धर्मेंद्र भारद्वाज , सचेंद्र कांकर, राजेश खन्ना, राकेश तिवारी, अकरम सिद्दीकी, चैन सिंह किरार, 8 संस्था प्रधान, 12 प्रभारी शिक्षक सहित एसआरएफ फाउंडेशन टीम उपस्थित रही।

इंदौर जल त्रासदी के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार, हर घर जल योजना की खुली पोल

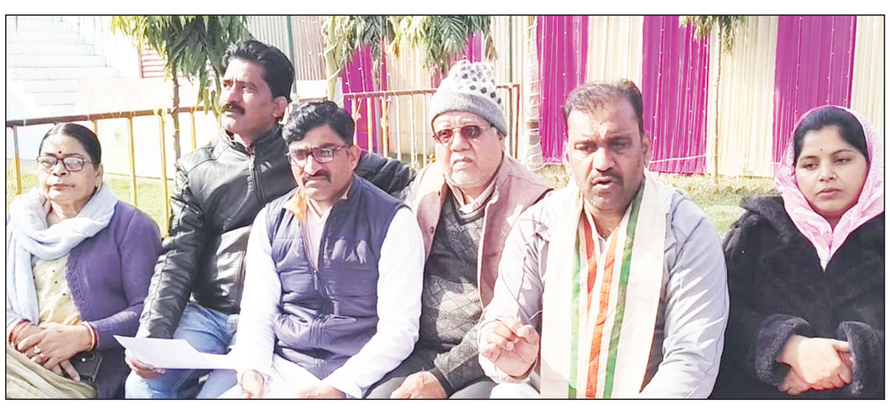

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 9 जनवरी। इंदौर की भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से 20 लोगों की मौत और करीब 2000 लोगों के बीमार होने की घटना को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया उर्फ पिंकी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि इस हृदयविदारक घटना के लिए भाजपा सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। वर्तमान में करीब 100 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं और कई की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इंदौर, जो स्वच्छ भारत अभियान में लगातार करीब 9 बार देश में प्रथम स्थान पर रहा है, वहीं इस तरह की घटना ने स्वच्छ भारत अभियान और हर घर जल योजना की सच्चाई उजागर कर दी है। यह साफ दर्शाता है कि जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं पूरी तरह फेल हैं।

धर्मेंद्र भदौरिया ने बताया कि भागीरथपुरा की पाइपलाइन बदलने के ठेके को 22 जुलाई 2022 को मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन आज तक काम नहीं हुआ। इससे साफ है कि कट-कमीशन और भ्रष्टाचार के चलते काम जानबूझकर रोका गया, जिसका खामियाजा निर्दोष नागरिकों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि इंदौर के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह क्षेत्र गांधीनगर में भी टाइफाइड फैलने की खबरें सामने आ रही हैं, जो भाजपा शासित राज्यों में स्वास्थ्य और जल प्रबंधन की बदहाली को दर्शाती हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि इंदौर की घटना पर जब पत्रकारों ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से सवाल पूछे, तो उन्होंने फोकट और घंटा जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर पत्रकारों की गरिमा का हनन किया। यह दर्शाता है कि मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक इस गंभीर घटना को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंदौर की घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और कांग्रेस राजनीति नहीं कर रही, लेकिन सवाल पूछना हर नागरिक और पत्रकार का लोकतांत्रिक अधिकार है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया उर्फ पिंकी का आरोप

भदौरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को दी जा रही 2 लाख रुपये की सहायता राशि नाकाफी है। कांग्रेस की मांग है कि प्रति मृतक कम से कम 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए और घायलों का निशुल्क एवं समुचित इलाज कराया जाए।

11 जनवरी को इंदौर में पैदल मार्च: इंदौर जल त्रासदी के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में 11 जनवरी को सुबह 11 बजे पैदल मार्च निकाला जाएगा। यह मार्च बड़ा गणपति मंदिर से राजवाड़ा चौक स्थित अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा तक जाएगा। भिंड शहर से भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे।धर्मेंद्र भदौरिया ने केंद्र सरकार पर मनरेगा को खत्म करने की साजिश का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा का नाम बदलकर बीबीजी रामजी कर रही है, लेकिन इससे काम और मजदूरी की गारंटी समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले 100 दिन काम की गारंटी थी, अब वह भी नहीं रहेगी। फसल कटाई के मौसम में मजदूरों को काम नहीं मिलेगा। मजदूरी मनमाने तरीके से तय की जाएगी। पहले ग्राम पंचायत के माध्यम से गांव में ही काम मिलता था, अब ठेकेदारों के माध्यम से मनमानी व्यवस्था होगी। पहले पूरा फंड केंद्र सरकार देती थी, अब 60% केंद्र और 40% राज्य सरकार देगी, कई राज्य आर्थिक रूप से कमजोर हैं, जिससे योजना बंद हो सकती है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की। काम की गारंटी, मजदूरी की गारंटी और जवाबदेही की गारंटी सुनिश्चित की जाए। मनरेगा में किए गए सभी बदलाव तत्काल वापस लिए जाएं। काम के संवैधानिक अधिकार की पूर्ण बहाली की जाए। न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन की जाए। इस मौके पर संतोष त्रिपाठी, हलीम पठान, रामहर्ष सिंह कुशवाह, संदीप मिश्रा, रेखा भदौरिया, स्मिता शर्मा, शिवशंकर भदौरिया, के.बी. भदौरिया सहित अन्य कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि जब तक इंदौर जल त्रासदी के दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।